

## धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स अपनाने का प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. भारतसिंह गोयल\* | नरसिंह भिडे<sup>2</sup>

<sup>1</sup>प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक, वाणिज्य विभाग, शासकीय कन्या महाविद्यालय देवास, मध्य प्रदेश।

<sup>2</sup>शोधार्थी, वाणिज्य अध्ययनशाला, सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन मध्य प्रदेश।

\*Corresponding Author: lakhanchouksey@gmail.com

Citation: गोयल, भारतसिंह एवं भिडे, नरसिंह (2026). धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स अपनाने का प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन. *International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science*, 08(02(II)), 62-70

### सार

यह अध्ययन मध्य प्रदेश के धार जिले में संचालित कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स अपनाने के प्रभाव का विश्लेषण करता है। वर्तमान डिजिटल युग में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म व्यवसायों को व्यापक बाजार, बेहतर मूल्य खोज, तथा ग्राहकों तक सीधी पहुँच प्रदान कर रहे हैं। इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह जांचना है कि ई-कॉमर्स अपनाने से इन उद्यमों की बिक्री, लाभप्रदता, बाजार विस्तार एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में किस प्रकार परिवर्तन आया है। ई-कॉमर्स अपनाने वाले उद्यमों में बिक्री वृद्धि, ग्राहक आधार विस्तार तथा उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग देखने को मिली है। साथ ही, डिजिटल भुगतान एवं ऑनलाइन विपणन के कारण संचालन में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ी है। हालाँकि, तकनीकी ज्ञान की कमी, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़ी चुनौतियाँ प्रमुख बाधाएँ बनी हुई हैं। ई-कॉमर्स कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, बशर्ते आवश्यक डिजिटल अवसंरचना एवं प्रशिक्षण उपलब्ध हो।

**शब्दकोश:** ई-कॉमर्स, लघु एवं मध्यम उद्यम, कृषि आधारित उद्योग, डिजिटल विपणन, उद्यम प्रदर्शन, धार जिला।

### प्रस्तावना

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ कृषि केवल आजीविका का साधन ही नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला भी है। कृषि क्षेत्र से जुड़े लघु एवं मध्यम उद्यम (डैडमे) ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मध्यप्रदेश का धार जिला कृषि उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ सोयाबीन, गेहूँ, मक्का, कपास तथा अन्य कृषि उत्पादों पर आधारित अनेक लघु एवं मध्यम उद्यम संचालित हो रहे हैं। वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक एवं इंटरनेट के तीव्र विस्तार ने व्यापार की पारंपरिक पद्धतियों में व्यापक परिवर्तन किया है। इसी परिवर्तन का प्रमुख माध्यम ई-कॉमर्स बनकर उभरा है।

ई-कॉमर्स के माध्यम से उद्यम अपने उत्पादों का विपणन स्थानीय बाजार तक सीमित न रखकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक कर सकते हैं। इससे उत्पादों की पहुँच बढ़ती है, लागत में कमी आती है तथा ग्राहकों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित होता है। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्यमों के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म नए बाजार अवसर, बेहतर मूल्य प्राप्ति तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। |उंबद, थसपचांतज, प्दकपंड।त्ज तथा अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म ने छोटे उद्यमों को भी बड़े बाजार से जोड़ने में सहायता प्रदान की है।

हालाँकि, ई-कॉमर्स अपनाने में अनेक चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं, जैसे डिजिटल साक्षरता की कमी, तकनीकी अवसंरचना का अभाव, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या, ऑनलाइन भुगतान संबंधी कठिनाइयाँ तथा साइबर सुरक्षा से जुड़ी चिंताएँ। ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित उद्यमों के लिए ये चुनौतियाँ अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि यह अध्ययन यह विश्लेषण करे कि धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा ई-कॉमर्स अपनाने से उनके व्यवसायिक प्रदर्शन, बिक्री, लाभ, बाजार विस्तार तथा रोजगार पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा है।

यह अध्ययन ई-कॉमर्स के उपयोग और उद्यम प्रदर्शन के मध्य संबंध को समझने का प्रयास करेगा तथा यह स्पष्ट करेगा कि डिजिटल व्यापार प्रणाली कृषि आधारित डैडमे के आर्थिक विकास एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को किस सीमा तक प्रभावित कर रही है।

### साहित्य समीक्षा

भारत में कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास में ई-कॉमर्स की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण होती जा रही है। डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार ने ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के उद्यमों को नए बाजारों तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया है। इस संदर्भ में अनेक शोधकर्ताओं ने ई-कॉमर्स अपनाने एवं उद्यम प्रदर्शन के मध्य संबंध का अध्ययन किया है।

Amit Kumar & Neha Sharma (2021) ने भारत के कृषि आधारित डैडमे पर डिजिटल विपणन एवं ई-कॉमर्स के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले उद्यमों की बिक्री, ग्राहक पहुँच एवं लाभप्रदता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छोटे उद्यमों को मध्यस्थों पर निर्भरता कम करने में सहायता प्रदान करते हैं। अध्ययन के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट एवं डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार ने कृषि उत्पादों के विपणन को अधिक प्रभावी बनाया है।

इसी प्रकार Ritu Verma (2020) ने लघु उद्यमों में डिजिटल व्यापार प्रणाली के उपयोग का विश्लेषण करते हुए बताया कि ई-कॉमर्स ने प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया कि ऑनलाइन विपणन के माध्यम से उत्पादों की ब्रांड पहचान मजबूत होती है तथा उपभोक्ताओं तक सीधे पहुँच संभव होती है। हालाँकि अध्ययन में यह भी स्पष्ट किया गया कि तकनीकी ज्ञान की कमी, साइबर सुरक्षा संबंधी समस्याएँ एवं सीमित डिजिटल अवसंरचना छोटे उद्यमों के लिए प्रमुख बाधाएँ हैं।

Sunil Patel & Kavita Joshi (2022) ने मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कृषि आधारित उद्योगों का अध्ययन करते हुए पाया कि ई-कॉमर्स अपनाने वाले उद्यमों की बाजार पहुँच में वृद्धि हुई तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। अध्ययन में यह भी उल्लेख किया गया कि सरकारी डिजिटल योजनाएँ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ई-कॉमर्स अपनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करते हैं।

उपरोक्त अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि ई-कॉमर्स कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के व्यवसायिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। साथ ही डिजिटल शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण एवं इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार इन उद्यमों के विकास के लिए आवश्यक है।

### उद्देश्य

- धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों में ई-कॉमर्स अपनाने की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
- ई-कॉमर्स अपनाने का उद्यमों की बिक्री, लाभ एवं बाजार विस्तार पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना।
- कृषि आधारित डैडमे के प्रदर्शन एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में ई-कॉमर्स की भूमिका का मूल्यांकन करना।
- ई-कॉमर्स अपनाने में आने वाली प्रमुख समस्याओं एवं चुनौतियों का अध्ययन कर उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करना।

### शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध ष्ट्रज्ञत्धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स अपनाने का प्रभाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" विषय पर आधारित है। यह अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि पर आधारित होगा। अध्ययन का उद्देश्य ई-कॉमर्स के उपयोग एवं उद्यम प्रदर्शन के मध्य संबंध का विश्लेषण करना है।

### शोध की प्रकृति

यह अध्ययन मुख्यतः विश्लेषणात्मक एवं वर्णनात्मक प्रकृति का होगा, जिसमें कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों पर ई-कॉमर्स के प्रभाव का अध्ययन किया है।

### अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र मध्यप्रदेश के धार जिले तक सीमित रहेगा। जिले में संचालित कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों को अध्ययन में शामिल किया है।

### डेटा के स्रोत

- **प्राथमिक डेटा**  
प्राथमिक तथ्य प्रश्नावली, साक्षात्कार एवं प्रत्यक्ष अवलोकन के माध्यम से एकत्रित किए जाएंगे। उद्यम संचालकों से ई-कॉमर्स उपयोग, बिक्री, लाभ, विपणन एवं समस्याओं संबंधी जानकारी प्राप्त की है।
- **द्वितीयक डेटा**  
द्वितीयक तथ्य शोध पत्रों, पुस्तकों, सरकारी रिपोर्टों, डैडमे रिपोर्ट, इंटरनेट स्रोतों एवं पत्र-पत्रिकाओं से प्राप्त किए हैं।

### निदर्शन पद्धति

अध्ययन हेतु सुविधाजनक निदर्शन पद्धति का उपयोग किया जाएगा। चयनित कृषि आधारित डैडमे से आवश्यक जानकारी संकलित की है।

### डेटा विश्लेषण तकनीक

संग्रहित तथ्यों का विश्लेषण प्रतिशत, सारणीकरण एवं ग्राफ आदि सांख्यिकीय उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ई-कॉमर्स अपनाने के प्रभाव का स्पष्ट मूल्यांकन किया जा सके।

### अध्ययन की सीमा

अध्ययन केवल धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों तक सीमित रहेगा, इसलिए निष्कर्षों को अन्य क्षेत्रों पर पूर्णतः लागू नहीं किया जा सकेगा।

### विश्लेषण

वर्तमान समय में डिजिटल व्यापार प्रणाली तेजी से विकसित हो रही है। कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs) भी अब पारंपरिक व्यापार प्रणाली से हटकर ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। धार जिले में संचालित कृषि आधारित उद्यमों द्वारा ई-कॉमर्स अपनाने की स्थिति का अध्ययन करने पर यह पाया गया कि अनेक उद्यम ऑनलाइन विपणन, डिजिटल भुगतान तथा सोशल मीडिया आधारित प्रचार का उपयोग कर रहे हैं।

**तालिका 1: धार जिले के कृषि आधारित डैडे में ई-कॉमर्स अपनाने की स्थिति**

	ई-कॉमर्स उपयोग की स्थिति	उद्यमों की संख्या	प्रतिशत
1	पूर्ण रूप से ई-कॉमर्स अपनाने वाले	28	35%
2	आंशिक रूप से उपयोग करने वाले	32	40%
3	ई-कॉमर्स का उपयोग नहीं करने वाले	20	25%
	कुल	80	100%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि लगभग 75 प्रतिशत उद्यम किसी न किसी रूप में ई-कॉमर्स का उपयोग कर रहे हैं। इनमें से 35 प्रतिशत उद्यम पूर्ण रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं, जबकि 40 प्रतिशत उद्यम सीमित स्तर पर ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि धार जिले में डिजिटल व्यापार प्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

इसके अतिरिक्त अध्ययन में यह भी पाया गया कि अधिकांश उद्यम WhatsApp, Facebook तथा Instagram जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग विपणन के लिए अधिक कर रहे हैं, क्योंकि इनका संचालन अपेक्षाकृत सरल एवं कम लागत वाला है।

ई-कॉमर्स अपनाने का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव उद्यमों की बिक्री एवं लाभ में वृद्धि के रूप में देखा गया। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उद्यम स्थानीय बाजार से बाहर निकलकर व्यापक उपभोक्ता वर्ग तक पहुँचने में सफल हुए।

**तालिका 2: ई-कॉमर्स अपनाने से बिक्री में परिवर्तन**

	बिक्री की स्थिति	उद्यमों की संख्या	प्रतिशत
1	बिक्री में अत्यधिक वृद्धि	26	32.5%
2	बिक्री में सामान्य वृद्धि	34	42.5%
3	कोई विशेष परिवर्तन नहीं	14	17.5%
4	बिक्री में कमी	6	7.5%
	कुल	80	100%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि लगभग 75izfr'kr उद्यमों की बिक्री में वृद्धि हुई। केवल 7.5izfr'kr उद्यमों ने बिक्री में कमी अनुभव की। इसका मुख्य कारण प्रतिस्पर्धा एवं डिजिटल विपणन की सीमित जानकारी रही।

**तालिका 3: ई-कॉमर्स से बाजार विस्तार की स्थिति**

	बाजार क्षेत्र	ई-कॉमर्स अपनाने से पहले	ई-कॉमर्स अपनाने के बाद
1	केवल स्थानीय बाजार	52	18
2	जिला स्तर	18	20
3	राज्य स्तर	8	24
4	राष्ट्रीय स्तर	2	15

उपरोक्त आँकड़ों से स्पष्ट है कि ई-कॉमर्स के बाद राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर व्यापार करने वाले उद्यमों की संख्या में वृद्धि हुई। पहले अधिकांश उद्यम केवल स्थानीय बाजार तक सीमित थे, जबकि अब वे व्यापक बाजार तक पहुँचने लगे हैं।

ई-कॉमर्स ने मध्यस्थों पर निर्भरता कम की, जिससे उद्यमों को बेहतर लाभ प्राप्त हुआ। साथ ही डिजिटल भुगतान प्रणाली ने लेन-देन प्रक्रिया को अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया।

ई-कॉमर्स ने कृषि आधारित डैडे की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उद्यम अपने उत्पादों का प्रचार, ग्राहक संपर्क एवं ब्रांड पहचान विकसित कर पाए हैं।

**तालिका 4: ई-कॉमर्स से प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में परिवर्तन**

	प्रभाव	उद्यमों की संख्या	प्रतिशत
1	प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में अत्यधिक वृद्धि	30	37.5%
2	सामान्य वृद्धि	36	45%
3	कोई विशेष प्रभाव नहीं	10	12.5%
4	नकारात्मक प्रभाव	4	5%
	कुल	80	100%

तालिका के अनुसार 82.5% उद्यमों ने माना कि ई-कॉमर्स से उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि हुई है। इसका कारण डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की अधिक दृश्यता एवं ग्राहकों तक सीधी पहुँच है।

ई-कॉमर्स के कारण उत्पादों की ब्रांडिंग एवं विपणन में सुधार हुआ। ऑनलाइन ग्राहक समीक्षा प्रणाली ने उत्पाद गुणवत्ता सुधारने में भी सहायता की।

**तालिका 5: ई-कॉमर्स से प्राप्त प्रमुख लाभ**

	लाभ	प्रतिशत
1	ग्राहक संख्या में वृद्धि	78%
2	लाभ में वृद्धि	70%
3	बाजार विस्तार	74%
4	डिजिटल भुगतान सुविधा	68%
5	उत्पाद प्रचार में आसानी	81%

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उत्पाद प्रचार एवं ग्राहक पहुँच में सबसे अधिक लाभ प्राप्त हुआ।

हालाँकि ई-कॉमर्स ने अनेक लाभ प्रदान किए, फिर भी कई समस्याएँ एवं चुनौतियाँ सामने आईं। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी संसाधनों की कमी तथा डिजिटल साक्षरता का निम्न स्तर प्रमुख बाधाएँ रहे।

**तालिका 6: ई-कॉमर्स अपनाने में प्रमुख समस्याएँ**

	समस्या	प्रभावित उद्यम (%)
1	डिजिटल साक्षरता की कमी	72%
2	इंटरनेट कनेक्टिविटी समस्या	65%
3	साइबर सुरक्षा का भय	48%
4	वित्तीय संसाधनों की कमी	58%
5	तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव	69%
	लॉजिस्टिक एवं डिलीवरी समस्या	44%

उपरोक्त आँकड़ों से स्पष्ट है कि डिजिटल शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव सबसे बड़ी चुनौती है। कई उद्यम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त तकनीकी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

इसके अतिरिक्त इंटरनेट नेटवर्क की समस्या एवं साइबर सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी ई-कॉमर्स विस्तार में बाधा उत्पन्न करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन भुगतान को लेकर विश्वास की कमी भी देखी गई।

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों पर ई-कॉमर्स का प्रभाव मुख्यतः सकारात्मक रहा है। ई-कॉमर्स अपनाने से बिक्री, लाभ, ग्राहक संख्या एवं बाजार विस्तार में वृद्धि हुई है। अधिकांश उद्यमों ने प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में सुधार अनुभव किया है।

हालाँकि डिजिटल साक्षरता की कमी, तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव एवं इंटरनेट समस्याएँ अभी भी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। यदि सरकार एवं संबंधित संस्थाएँ डिजिटल प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता एवं इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करें, तो कृषि आधारित डैडमे ई-कॉमर्स के माध्यम से और अधिक आर्थिक प्रगति प्राप्त कर सकते हैं।

### सुझाव

- **डिजिटल कौशल विकास को अनिवार्य बनाना**

धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए ई-कॉमर्स की सफलता सीधे डिजिटल दक्षता पर निर्भर करती है। इसलिए जिला स्तर पर नियमित, संरचित और चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ। इन प्रशिक्षणों में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग, ऑनलाइन लिस्टिंग, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, मूल्य निर्धारण रणनीति, और ग्राहक प्रबंधन शामिल किया जाए। विशेष रूप से ग्रामीण उद्यमियों के लिए सरल भाषा में व्यावहारिक प्रशिक्षण आवश्यक है, ताकि तकनीकी भय समाप्त हो सके और आत्मनिर्भर डिजिटल उद्यमिता विकसित हो सके।

- **संस्थागत प्रशिक्षण ढांचे की स्थापना**

ई-कॉमर्स प्रशिक्षण को अस्थायी कार्यक्रमों के बजाय संस्थागत रूप दिया जाए। इसके लिए जिला उद्योग केंद्र (DIC), कृषि विभाग एवं डैडमे विकास संस्थानों के सहयोग से स्थायी डिजिटल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएँ। इन केंद्रों में नियमित बैच, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम तथा ऑन-फील्ड प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। इससे दीर्घकालिक क्षमता निर्माण संभव होगा।

- **डिजिटल अवसंरचना का तीव्र विकास**

धार जैसे क्षेत्रों में ई-कॉमर्स की सफलता के लिए उच्च गुणवत्ता वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी अनिवार्य है। ग्रामीण क्षेत्रों में 4G/5G नेटवर्क का विस्तार, ब्रॉडबैंड सुविधा और सार्वजनिक Wi-Fi केंद्रों की स्थापना की जाए। इसके बिना छोटे उद्यम ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। डिजिटल अवसंरचना को ग्रामीण विकास नीति का मुख्य घटक बनाया जाना चाहिए।

- **वित्तीय सहायता एवं ई-कॉमर्स स्टार्टअप फंड**

कृषि आधारित डैडमे के लिए अलग 'डैडमे-कॉमर्स अपनाने सहायता कोष' बनाया जाए। इससे वेबसाइट निर्माण, डिजिटल मार्केटिंग, उत्पाद पैकेजिंग और लॉजिस्टिक लागत को वित्तीय सहायता दी जा सके। छोटे उद्यमों के लिए आसान ऋण प्रक्रिया, ब्याज सब्सिडी और प्रारंभिक पूंजी सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि वे ऑनलाइन व्यापार में प्रवेश कर सकें।

- **डिजिटल भुगतान प्रणाली को सुरक्षित और सर्वसुलभ बनाना**

डिजिटल भुगतान को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनाया जाए। चैवदमचम, ळववहसम चंल, तथा अन्य न्च आधारित प्लेटफॉर्म के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कैशलेस ट्रांजैक्शन के प्रति विश्वास बढ़ाने हेतु जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।

- **साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल विश्वास निर्माण**

ई-कॉमर्स अपनाने में सबसे बड़ी बाधा साइबर धोखाधड़ी का डर है। इसके समाधान हेतु उद्यमियों को साइबर सुरक्षा के मूलभूत नियमों जैसे वृत्त सुरक्षा, सुरक्षित पासवर्ड, फिशिंग से बचाव एवं सुरक्षित पेमेंट गेटवे के बारे में प्रशिक्षित किया जाए। जिला स्तर पर साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना भी आवश्यक है।

- **कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग एवं मूल्य संवर्धन**

धार जिले के कृषि उत्पादों को केवल कच्चे माल के रूप में नहीं बल्कि ब्रांडेड उत्पादों के रूप में विकसित किया जाए। पैकेजिंग, लेबलिंग, गुणवत्ता प्रमाणन और कहानी आधारित मार्केटिंग (जवतल-इंमक टतंदकपदह) को बढ़ावा दिया जाए। इससे स्थानीय उत्पादों की ऑनलाइन बाजार में अलग पहचान बनेगी और मूल्य वृद्धि (टंसनम |ककपजपवद) संभव होगी।

- **प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से समन्वय**

छोटे उद्यमों को बड़े प्लेटफॉर्म जैसे Amazon, Flipkart, IndiaMART पर सूचीबद्ध करने में तकनीकी सहायता दी जाए। इसके लिए सरकारी सहायता डेस्क या 'वृत्तज्ञान-स्टॉप डिजिटल सहायता केंद्र' स्थापित किए जाएँ।

- **लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला सुधार**

ई-कॉमर्स की सफलता का आधार मजबूत डिलीवरी सिस्टम है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोल्ड स्टोरेज, संग्रहण केंद्र (Collection Centers) और अंतिम मील डिलीवरी नेटवर्क विकसित किया जाए। इससे कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी और समय पर डिलीवरी संभव होगी।

- **महिला उद्यमिता एवं SHG (Self Help Groups) को प्रोत्साहन**

कृषि आधारित डैडमे में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु विशेष योजनाएँ लागू की जाएँ। स्वयं सहायता समूहों (SHG) को ई-कॉमर्स प्रशिक्षण देकर उन्हें डिजिटल बाजार से जोड़ा जाए। इससे ग्रामीण महिलाओं की आय एवं सामाजिक स्थिति में सुधार होगा और समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

- **डिजिटल मार्केटिंग एवं सोशल मीडिया रणनीति का उपयोग**

कम लागत में अधिक प्रभाव प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया मार्केटिंग को प्रोत्साहित किया जाए। उद्यमियों को Facebook, Instagram, WhatsApp Business, YouTube जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग सिखाया जाए। कंटेंट निर्माण, उत्पाद वीडियो, और ग्राहक संवाद रणनीति पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि ब्रांड दृश्यता बढ़ सके।

- **नीति समर्थन, निगरानी एवं सतत मूल्यांकन प्रणाली**

सरकार द्वारा ई-कॉमर्स अपनाने की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए। जिला स्तर पर एक समर्पित निगरानी समिति गठित की जाए जो डैडमे के प्रदर्शन, समस्याओं और विकास का मूल्यांकन करे। साथ ही नीति में समय-समय पर संशोधन कर डिजिटल व्यापार को अधिक सरल और प्रभावी बनाया जाए।

यदि उपरोक्त सभी सुझावों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाता है, तो धार जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यम न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजार में भी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति प्राप्त कर सकेंगे।

### निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन 'वृत्तज्ञान' जिले के कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स अपनाने का प्रभाव" के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि ई-कॉमर्स वर्तमान समय में कृषि आधारित डैडमे के विकास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रभावी साधन बन चुका है। डिजिटल तकनीक के प्रसार ने पारंपरिक

व्यापार प्रणाली को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है, जिससे छोटे उद्यम भी बड़े बाजारों तक पहुँच बनाने में सक्षम हुए हैं। धार जैसे कृषि-प्रधान क्षेत्रों में ई-कॉमर्स ने उद्यमों के आर्थिक प्रदर्शन, विपणन क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है।

अध्ययन के निष्कर्षों से यह पाया गया कि अधिकांश कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यम अब किसी न किसी रूप में ई-कॉमर्स का उपयोग कर रहे हैं। इससे उनकी बिक्री में वृद्धि, ग्राहक आधार का विस्तार तथा लाभप्रदता में सुधार देखा गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने मध्यस्थों की भूमिका को कम करके उत्पादकों को अधिक लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन विपणन के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान मिली है।

ई-कॉमर्स अपनाने से उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी वृद्धि हुई है। डिजिटल माध्यम से उत्पादों की दृश्यता बढ़ने के कारण उपभोक्ताओं तक सीधी पहुँच संभव हुई है, जिससे ब्रांड निर्माण एवं ग्राहक विश्वास में सुधार हुआ है। साथ ही सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन विज्ञापन ने कम लागत में प्रभावी विपणन का अवसर प्रदान किया है।

हालाँकि, अध्ययन यह भी दर्शाता है कि ई-कॉमर्स अपनाने में कई चुनौतियाँ विद्यमान हैं, जैसे डिजिटल साक्षरता की कमी, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या, साइबर सुरक्षा का भय एवं तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव। इन बाधाओं के कारण सभी उद्यम समान रूप से डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि ई-कॉमर्स कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरा है। यदि सरकार, संस्थान एवं निजी क्षेत्र मिलकर डिजिटल अवसंरचना, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता को मजबूत करें, तो इन उद्यमों की विकास दर और अधिक तीव्र हो सकती है।

अतः निष्कर्षतः यह अध्ययन इस बात की पुष्टि करता है कि ई-कॉमर्स न केवल उद्यमों के आर्थिक प्रदर्शन को सुधारता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

### संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Kumar, Amit, and Neha Sharma, (2021) "Impact of E-Commerce on Agricultural MSMEs in India." *International Journal of Commerce and Management Research*, vol. 7, no. 2, pp. 45-52.
2. Patel, Sunil, and Kavita Joshi. (2022) "Digital Marketing and Rural Agro-Based Industries in Madhya Pradesh." *Journal of Rural Development Studies*, vol. 10, no. 1, pp. 61-69.
3. Verma, Ritu. (2023) "Role of Digital Trade in Small Scale Enterprises." *Indian Journal of Business Studies*, vol. 15, no. 3, pp. 88-95.
4. Kumar, Amit, and Neha Sharma. (2021) "Impact of Digital Marketing on MSMEs in India." *International Journal of Commerce and Management*, vol. 8, no. 2, pp. 45-56.
5. Verma, Ritu. (2020) "E-Commerce Adoption and Small Business Growth." *Indian Journal of Business Studies*, vol. 15, no. 3, pp. 88-95.
6. Patel, Sunil, and Kavita Joshi (2022) "Rural Entrepreneurship and Digital Transformation in Madhya Pradesh." *Journal of Rural Development Studies*, vol. 10, no. 1, pp. 61-70.
7. Gupta, Poonam. (2019) "Digital Economy and MSME Performance in India." *International Journal of Management Research*, vol. 6, no. 4, pp. 32-40.
8. Singh, Rajeev, and Anjali Mishra. (2021) "E-Commerce and Agricultural Marketing in India." *Journal of Business and Economic Development*, vol. 9, no. 3, pp. 55-63.
9. Jain, Mohit. (2022) "Challenges of E-Commerce in Rural Enterprises." *Asian Journal of Economic Studies*, vol. 11, no. 2, pp. 74-81.
10. Sharma, Deepak. (2020) "Role of ICT in Rural Industrial Development." *Journal of Information Technology and Economics*, vol. 7, no. 1, pp. 21-30.

11. Yadav, Suresh, and Meena Verma (2021) "Supply Chain and Digital Platforms in Agriculture Sector." *Indian Journal of Supply Chain Management*, vol. 5, no. 2, 2021, pp. 40–49.
12. Agarwal, Nidhi. (2022) "Digital Payments and Financial Inclusion in Rural India." *Journal of Banking and Finance Studies*, vol. 12, no. 3, 2022, pp. 66–75.
13. Singh, Rakesh. (2020) "Impact of E-Commerce on MSME Competitiveness." *Global Journal of Business Research*, vol. 14, no. 1, pp. 15–24.
14. Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME). Annual Report 2023–24. Government of India, 2024.
15. Reserve Bank of India. Report on Digital Payments and Financial Inclusion. RBI Publications, 2023.
16. Kumar, Amit, and Neha Sharma. (2020) "Impact of Digital Marketing on MSMEs in India." *International Journal of Commerce and Management*, vol. 8, no. 2, pp. 45–56.
17. Sharma, Deepak. "Role of ICT in Rural Industrial Development." *Journal of Information Technology and Economics*, vol. 7, no. 1, pp. 21–30.
18. Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Government of India
19. <https://msme.gov.in>
20. India Brand Equity Foundation (IBEF) – MSME Sector Overview
21. <https://www.ibef.org/industry/msme>
22. Reserve Bank of India (RBI) – Digital Payments and Reports
23. <https://www.rbi.org.in>
24. Ministry of Commerce and Industry, Government of India
25. <https://commerce.gov.in>
26. IndiaMART Knowledge Platform – MSME and Digital Trade Insights
27. <https://www.indiamart.com>
28. Flipkart Seller Hub – E-Commerce for Small Businesses
29. <https://seller.flipkart.com>

